डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ
विकलांग जन विकास विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार
Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University, Lucknow
Development of Persons with Disabilities Department
Government of Uttar Pradesh

प्रेस नोट

तकनीकी शिक्षा में जेंडर गैप दूर करने की जरूरत

आज विश्वविद्यालय में बी.टेक. कोर्स की लॉन्चिंग के मौके पर बोलते हुए कुलपति प्रो. (डॉ.) निशीथ राय ने कहा कि भारत उच्च शिक्षा के मामले में अमेरिका एवं चीन के बाद अपनी धाक बनाए हुए है। लेकिन उच्च शिक्षा में सकल नामांकन दर अभी भी लगभग 20 फीसदी है। इसे बढ़ाकर 30 फीसदी पर लाने की चुनौती है। उन्होंने कहा कि जहां तक तकनीकी शिक्षा का सवाल है इसे लेकर 'जेंडर गैप' की मौजूदगी चिंता की बात है। तकनीकी शिक्षा में छात्रों के मुकाबले छात्राओं की भागीदारी कम है। अनुमानों के मुताबिक उच्च शिक्षा में कुल प्रवेशित छात्रों का 9.10 प्रतिशत तथा छात्राओं का 4.46 प्रतिशत ही बी.टेक. में शिक्षा ले रहा हैं। इससे तकनीकी शिक्षा में जेंडर गैप का पता चलता है।

प्रो. राय ने कहा कि इस सत्र से इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी संकाय की स्थापना कर इसके अन्तर्गत कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग तथा अप्लॉयड साइंस एण्ड ह्यूमीनिटीज विभाग शुरु किये गये हैं। इस संकाय की स्थापना का लक्ष्य बाधारहित वातावरण में समावेशी शिक्षा के तहत दिव्यांगजनों को तकनीकी शिक्षा देना है। हमारा सामावेशी शिक्षा का मॉडल ऐसा है जिसमें एक ही क्लास रूम में दिव्यांग एवं सामान्य दोनों विद्यार्थी साथ–साथ पढ़ते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में सिर्फ एक चौथाई इंजीनियरिंग ग्रेजुएट रोजगार योग्य हैं। अन्य ग्रेजुएट्स में तो सिर्फ 10 फीसदी ही रोजगार योग्य हैं। ऐसे में गुणवत्तापरक तकनीकी शिक्षा देना एक कड़ी चुनौती है। इसके लिये जरूरी है कि विश्वविद्यालय एवं उद्योगों के बीच पारस्परिक संबंधों को मजबूती दी जाय। हमें उद्योगों और बाजार की जरूरत के अनुरूप पाठ्यक्रम को तैयार कर अध्ययन, अध्यापन एवं शोध को बढ़ावा देना होगा। उद्योग जगत की जरूरतों तथा विश्वविद्यालय के पठन–पाठन के बीच खांई को पाटकर ही ग्रेजुएट्स को बेहतर रोजगार लायक बनाया जा सकता है। हमारी कोशिश होगी की हम विभिन्न क्षेत्रों से विशेषज्ञों से सहयोग लेकर विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक तकनीकी समस्याओं एवं जरूरतों से भी रूबरू करायें। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि विश्वविद्यालय में इनोवेशन एवं इन्क्यूवेशन सेन्टर स्थापित कर शोध एवं विकास को बढ़ावा दिया जाय। युवा शक्ति को स्टार्ट–अप स्कीम से जोड़कर

उन्हें प्रशिक्षित किया जाय तथा स्थानीय कच्चे माल के इस्तेमाल द्वारा तैयार उत्पादों का पेटेन्ट कराया जाय।

बी.टेक. के इस ओरिएन्टेशन प्रोग्राम में विद्यार्थियों से सभाकक्ष खचाखच भरा था। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. अश्वनी कुमार दुबे, डीन एकेडमिक्स प्रो. एपी तिवारी, डीएसडब्ल्यू प्रो. वीके सिंह, प्रॉक्टर प्रो. पी राजीवनयन, डीन विशेष शिक्षा प्रो. आरआर सिंह, डीन साइंस एण्ड टेक्नोंलॉजी प्रो. सीके दीक्षित, डीन कम्प्यूटर साइंस एण्ड आईटी प्रो. आर के श्रीवास्तव, बी.टेक. कोआर्डिनेटर डॉ. विनोदनी कटियार एवं कुलपति की स्टाफ आफिसर श्रीमती बिन्दू त्रिपाठी सहित कई शिक्षक मौजूद थे। संचालन डॉ. विनय कुमार सिंह ने किया।

01 सितम्बर, 2016

(प्रो. (डॉ.) ए.पी. तिवारी)
मीडिया प्रवक्ता एवं
कुलपति के शैक्षणिक सलाहकार